मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 45 ■ अंक : 248 ■ मंगलवार 30 दिसंबर 2025 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A.
Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..
मनपा चुनाव में अजित-शरद पवार का गठबंधन

आखिरकार नहीं हुई भाजपा-सेना में युति

उल्हासनगर मनपा चुनाव

शिवसेना- 35, टीओके 32 व साई पक्ष 11 सीटों पर चुनाव लड़ेगी

- मनपा चुनाव में अकेली पड़ी भाजपा
- कालानी प्रत्याशी शिवसेना के चिन्ह पर लड़ेंगे चुनाव
- राकांपा से कई उम्मीदवारों ने फॉर्म दाखिल किया
- कांग्रेस उम्मीदवारों ने भी फॉर्म भरा
- आज नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम दिन

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका का चुनाव आगामी 15 जनवरी 2026 को होने जा रहा है। इस चुनाव की स्थिति अब साफ हो गई है। यहां भाजपा व शिवसेना का चुनावी गठबंधन नहीं हो रहा है ऐसी घोषणा भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया ने की है। उन्होंने कहा कि भाजपा सभी 78 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं टीओके-शिवसेना चुनाव प्रमुख जमनू पुरस्वानी ने भी घोषणा की है कि शिवसेना- 35, टीओके 32 व साई पक्ष 11 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। टीम ओमी कालानी के सभी उम्मीदवारों ने शिवसेना के तीर कमान पर चुनाव लड़ना तय किया है। इसे कालानी का शिवसेना में विलय ही कहे तो गलत नहीं होगा।

वहीं राकांपा व कांग्रेस के कई उम्मीदवारों ने उम्मीदवारी दाखिल कर ली है। उबाठा व मनसे की तरफ से भी उम्मीदवार उतारे जाएंगे। इस चुनाव में भाजपा अकेली पड़ती नजर आ रही है। क्योंकि ज्यादातर भाजपा के उम्मीदवारों की लड़ाई टीओके के समक्ष ही होनी है।

■ साई पक्ष 11 सीटों पर संतुष्ट

2017 चुनाव में 11 सीटें लाकर सत्ता की चॉबी रखने वाली साई पक्ष को शिवसेना दोस्ती के गठबंधन में केवल 11 सीटों पर ही संतुष्ट करना पड़ा है। इसमें से उनकी कितनी सीटों पर विजय होती है यह तो समय बताएगा फिलहाल साई पक्ष पैनल 9 में 1, पैनल 11 में 4, पैनल 12 में 2 और पैनल 16 में 4 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। ऐसी जानकारी सूत्रों ने दी है। साई पक्ष अपने टीवी चिन्ह के साथ ही मैदान में उतर रहा है।

■ पुराने कार्यकर्ताओं को मनाने में लगी भाजपा

शिवसेना के साथ युति न होने के कारण भाजपा को पुराने कार्यकर्ताओं से भारी नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा अपने करीब 17-18 पूर्व नगरसेवकों के साथ नए चेहरों को चुनाव मैदान में उतार रही है। कुछ पैनलों में पूर्व नगरसेवकों के कारण नए व युवाओं को टिकट भाजपा नहीं दे रही है वहीं शिवसेना व टीओके के पैनलों में भाजपा मजबूत दावेदारों को टिकट दे रही है। जिसमें पुराने कार्यकर्ताओं को मनाकर उन्हें टिकट दिया जा रहा है। भाजपा सभी 78 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। भाजपा को बागी उम्मीदवारों का सामना भी करना पड़ रहा है।

■ कुल 100 उम्मीदवारों ने फॉर्म भरा

सोमवार 29 दिसंबर 2025 को एक ही दिन में 97 उम्मीदवारों ने फॉर्म दाखिल किया है। जबकि शनिवार को तीन उम्मीदवारों ने फॉर्म भरा था। ऐसे में अब कुल 100 उम्मीदवारों ने 78 सीटों के लिए फॉर्म दाखिल किया है। आज उम्मीदवारी दाखिल करने की अंतिम तारीख है। सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक ही फॉर्म लिए जा रहे हैं। सोमवार को कई उम्मीदवारों को समय समाप्त होने के बाद नहीं लिया गया जिसमें विधायक कुमार आयलानी की पत्नी मीना आयलानी का भी समावेश था। आज करीब 300 फॉर्म भरे जाएंगे ऐसा अनुमान है।

भारत गंगोत्री आज फॉर्म दाखिल करेंगे

राकांपा जिलाध्यक्ष **भारत राजवानी गंगोत्री** आज पैनल 17 से नामांकन पत्र दाखिल करने जा रहे हैं। उन्होंने नए व पुराने चेहरों को अपने पैनल व अन्य पैनलों में मौका दिया है। गंगोत्री ने बताया कि हमारी युति किसी भी पक्ष के साथ नहीं है लेकिन हमने जितने भी उम्मीदवारों को टिकट जिसमें पैनल 1, 2, 8, 9, 11, 15, 16,17,18, 19 दिया है वो मजबूत दावेदार है और इस बार मनपा में सत्ता स्थापित के लिए निर्णायक भूमिका हमारी पार्टी निभाएगी।

एक बार फिर सच साबित हुई भविष्यवाणी...

उल्हास विकास
टीओके का शिवसेना में विलय!

दै. उल्हास विकास ने 23 दिसंबर के अंक बता दिया था कि टीओके का शिवसेना में विलय हो रहा है और कालानी के सभी उम्मीदवार तीर कमान पर चुनाव लड़ेंगे। सोमवार को टीओके शिवसेना के कई उम्मीदवारों ने फॉर्म दाखिल किए हैं। टीओके की तरफ से कुल 32 उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतर रहे हैं। अब इन 32 सीटों में से कालानी की कितनी सीटें आती है यह तो 16 जनवरी 2026 को पता चलेगा लेकिन अगर चुनावी रणनीति की बात की जाय तो कालानी की डोर अब शिवसेना शिंदे के पास ही है। शिंदे अब उनके बॉस है। पहले यह खुद बॉस बनकर अपने पक्ष कांग्रेस, राकांपा की टिकटें बांटा करते थे आज उन्हें शिवसेना की सहमति लेनी पड़ रही है। शहर में चर्चा है कि कालानी का पिछले चुनाव में भाजपा में विलय से लेकर अब तक शिवसेना में विलय को लेकर ग्राफ नीचे की तरफ ही गया है। इससे कालानी का वर्चस्व व प्रभाव कम हो गया है। जो इस चुनाव में हार का कारण भी बन सकता है।

2017 से कालानी ने भाजपा के चिन्ह पर चुनाव लड़ा था। 2012 में कालानी ने राकांपा के घड़ी पर चुनाव लड़ा था। इससे पूर्व भी कालानी ने नगारा, हाथ का पंजा, ताला चाबी, तुतारी आदि पर चुनाव लड़ चुकी है। आज कयामत की रात होगी क्योंकि आज कई चौंकाने वाले नाम सामने आएंगे जो कल फॉर्म भरेंगे और दिग्गजों के समक्ष खड़े होंगे उसमें ज्यादातर भाजपा व राकांपा गंगोत्री गुट के उम्मीदवार होंगे।

कई प्रमुख उम्मीदवारों ने फॉर्म भरा

आज 97 उम्मीदवारों ने फॉर्म दाखिल किया है। जिसमें कई पूर्व नगरसेवकों का समावेश है। आज फॉर्म भरने वाले नेताओं में महेश सुखरामानी, जमनू पुरस्वानी, जया प्रकाश माखीजा, राजेंद्र चौधरी, संजय सिंग, प्रेरणा अजित माखीजानी, पंचम कालानी, मानसी संदीप गायकवाड़, राजू गोपालानी, राजू जग्यासी, नंद छापरू, सोनू छापरू, प्रियंका विक्की इसरानी, मयूर प्रभू लहाने, अश्विनी निकम, दुर्गा राय, प्रमोद टाले आदि उम्मीदवारों का समावेश है।

प्रभाग निहाय विश्लेषण...

पैनल-12 में भाजपा की टीओके-साई से टक्कर

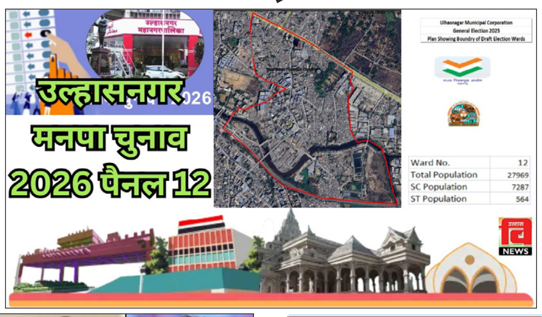

पैनल 12	
कुल मतदाता	24,052
पुरुष मतदाता	12,761
महिला मतदाता	11,288

■ मूलभूत सुविधा मुहैया कराना बड़ी चुनौती

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका का चुनाव 15 जनवरी 2026 को होने जा रहा है। मनपा क्षेत्र में कुल 78 वार्डों के 20 पैनल बनाए गए हैं। सभी पैनल कई समस्याओं से ग्रस्त जिसमें हर पैनल में प्रमुख समस्या खराब सड़कें, पानी की किल्लत, साफ सफाई कचरे की समस्या, धोकादायक इमारतों का मुद्दा, ट्रैफिक, अवैध निर्माण समस्या जैसे मूलभूत सुविधा से शहर वंचित है और इन्हीं प्रमुख मुद्दों पर चुनाव प्रचार देखने को मिलेगा। ऐसे में हमने सभी पैनलों का विश्लेषण संक्षिप्त में किया है और यहां लोगों को पूर्व नगरसेवक ही चाहिए या कोई नया युवा नेता।

उल्हासनगर- 3 स्थित इस पैनल में चार वार्डों का समावेश हैं जिसमें उल्हासनगर-3 ओटी सेक्शन, मनीष नगर, फालोवर लाइन, ईमली पाड़ा, दसरा मैदान, राधास्वामी हॉल, करौतिया नगर, श्याम सुंदर सोसायटी, अशोक टाकीज, नवजीवन टॉवर, संजय गांधी नगर, खत्री भवन, सीएचएम कॉलेज परिसर अयोध्या नगर, गणेश नगर, वडोल गांव, सम्राट अशोक नगर, संविधान चौक, आनंद नगर फर्स्ट गेट, ऑर्डिनेन्स के सामने, संतोष नगर, सेंट जोसेफ बेथनी कॉन्वेंट स्कूल परिसर का समावेश है। 2017 के चुनाव में यहां अ - सविता तोरणे (रगडे) - नगाडा, ब गजानन शेळके, साई पक्ष, क - ज्योति पिंटो बठिजा बठिजा - भाजपा, ड टोनी सिरवानी - भाजपा के नगरसेवक रह चुके हैं। इस पैनल पर भाजपा का कब्जा है। अब नए आरक्षण में यहां एससी महिला, ओबीसी, जनरल महिला व जनरल सीट है। इस पैनल में सिंधी, मराठी व उत्तर भारतीय समाज के ज्यादातर मतदाता रहते हैं। यहां पर भाजपा नेता टोनी सीरवानी व पिंटो बठीजा की अच्छी पकड़ है। यहां पर टीओके व साई पक्ष शिवाजी रगडे, बाबू मंगतानी जैसे दावेदार उतार रहे हैं। इस पैनल में भी कई मूलभूत सुविधाएं स्थानीय लोगों तक पहुंच नहीं पायी है। जिस कारण पानी, सफाई, सड़कें जैसी प्रमुख समस्याएं इस चुनाव का मुद्दा रहेंगी।

प्रभाग निहाय विश्लेषण...

पैनल 13 में ढहेगा शिवसेना का किला!

पैनल 11	
कुल मतदाता	20,280
पुरुष मतदाता	10,293
महिला मतदाता	9,985

■ भूरपूर समस्या से ग्रस्त पैनल

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका का चुनाव 15 जनवरी 2026 को होने जा रहा है। मनपा क्षेत्र में कुल 78 वार्डों के 20 पैनल बनाए गए हैं। सभी पैनल कई समस्याओं से ग्रस्त जिसमें हर पैनल में प्रमुख समस्या खराब सड़कें, पानी की किल्लत, साफ सफाई कचरे की समस्या, धोकादायक इमारतों का मुद्दा, ट्रैफिक, अवैध निर्माण समस्या जैसे मूलभूत सुविधा से शहर वंचित है और इन्हीं प्रमुख मुद्दों पर चुनाव प्रचार देखने को मिलेगा। ऐसे में हमने सभी पैनलों का विश्लेषण संक्षिप्त में किया है और यहां लोगों को पूर्व नगरसेवक ही चाहिए या कोई नया युवा नेता।

उल्हासनगर-4 स्थित इस पैनल में चार वार्डों का समावेश है जिसमें कानसाई रोड कुर्ला कैम्प सुभाष टेकड़ी, भरत नगर, स्टेशन रोड, श्रीराम मंदिर कालोनी, सिद्धार्थ नगर, लाल चक्की, रेलवे गेट, रामनगर, होली फैमिली स्कूल, ब्राह्मण पाडा, ज्योति कालोनी, दुर्गा नगर, सत्यसाई निकेतन स्कूल, राहुल नगर, आम्रपाली नगर का समावेश है। 2017 के चुनाव में यहां अ - सुमित सोनकांबळे - शिवसेना, ब - ज्योत्सना सुरेश जाधव - शिवसेना, क - ज्योती माने- शिवसेना, ड - रमेश चव्हाण - शिवसेना के नगरसेवक रह चुके हैं। इस पैनल पर पूरी तरह शिवसेना का कब्जा है। यहां भाजपा सेंधमारी करेगी। अब नए आरक्षण में यहां अनुसूचित जाती, ओबीसी महिला, जनरल महिला व जनरल सीट है। इस पैनल में सिंधी व मराठी समाज के ज्यादातर मतदाता रहते हैं। यहां पर पूर्व नगरसेवक व शिवसेना नेता रमेश चव्हाण व सुरेश जाधव की अच्छी पकड़ है लेकिन यहां पर भाजपा सेंधमारी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। राकांपा व निर्दलीय भी यहां पर शिवसेना का गणित बिगाड़ने की फिराक में है। इस पैनल में भरपूर समस्याएं हैं यहां पर किसी भी तरह का विकास नहीं हुआ है ऐसा स्थानीय लोगों का कहना है। मूलभूत सुविधा देने में स्थानीय नेता सफल नहीं हुए हैं जिस कारण यहां पर मुकाबला दिलचस्प होगा।

मोबाइल हैक करके 8.65 लाख रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी

उल्हासनगर. किसी अनजान व्यक्ति ने बंसी महाराज का WhatsApp अकाउंट हैक करके उसके ज़रिए शिकायतकर्ता को एक APK फाइल भेजी। इस फाइल को डाउनलोड करने के बाद पता चला है कि साइबर चोरों ने शिकायतकर्ता के मोबाइल का पूरा एक्सेस ले लिया और बैंक अकाउंट से 8 लाख 65 हजार रुपये की ठगी कर ली। शिकायत करने वाले मनीष गुरनोमल लुंड (48, बिज़नेसमैन) के स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया अकाउंट से उनकी मंज़ूरी के बिना यह रकम निकाल ली गई। शुरुआती जांच में यह रकम पता चला है कि किसी अनजान बैंक अकाउंट होल्डर का नंबर डायवर्ट किया गया है। आरोप है कि मिलीभगत करके शामिल आरोपियों ने फाइनेंशियल फ्रॉड किया है।

पैनल 6 में शिवसेना-टीओके का आगाज

भ्रष्टाचार व समस्या से मुक्त करेंगे पैनल- महेश सुखरामानी

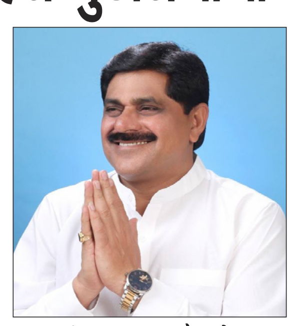

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा का सबसे चर्चित पैनल 6 में शिवसेना-टीओके से दमदार उम्मीदवार मैदान में उतारे गए हैं। जिसमें महेश सुखरामानी, जया प्रकाश माखीजा, प्रेरणा अजित माखीजानी और विक्की सिंह लबाना।

इन चारों की वार्ड के चारों तरफ अच्छी पकड़ है। श्री सुखरामानी ने कहा कि इस पैनल में जो भ्रष्टाचार और वसूली हुई है उसे व्यापारियों और स्थानीय लोगों को निजात देने का समय आ गया है। जिनके घरों में सब्जी भी भ्रष्टाचार के रूप में आती हो ऐसे नेताओं को घर बिठाने का समय है और जो वार्ड की पानी, रास्ते, सफाई की प्रमुख समस्याएं हैं उन्हें पूरा नहीं किया गया है उसे जरूर पूरा किया जाएगा। इस वार्ड में मेरा घर जिस कारण पूरा वार्ड ही मेरा घर बन गया है लेकिन जो वार्ड छोड़कर बस गए हैं वो जनता तक कभी नहीं पहुंच सकते। जनता के बीचो बीच हम रह रहे हैं और हमेशा रहकर लोगों की समस्याएं सुलझाएंगे।

क्या पंकज तिलोकानी के बलिदान का इंसाफ करेंगे कालानी?

■ पैनल 5 से जानवी पंकज तिलोकानी आज भरेंगी फार्म

उल्हासनगर. उल्हासनगर में होने वाले हर चुनाव के दौरान पैनल 5 में अपनी जी जान लगाने वाले कालानी के कट्टर समर्थक पंकज तिलोकानी इन दिनों जेल में है। उनके परिजनों का कहना है कि उन्हें झूठे मामले में फंसाया गया है। उन्हें हर चुनाव में टिकट का लॉलीपॉप ही दिया जाता है। इतने वर्षों से पंकज तिलोकानी के बलिदान का क्या कालानी इंसाफ देते हुए उन्हें परिवार को टिकट देंगे। हालांकि खबर मिली है कि पैनल 5 से पंकज की पत्नी जानवी पंकज तिलोकानी आज फार्म भरने जा रही है।

ज्ञात हो कि कालानी के कट्टर समर्थक पंकज तिलोकानी ने हर चुनाव में विरोधियों के नाक में दम कर रखा हुआ था जिस कारण इस पैनल 5 से कालानी को हमेशा से ही लीड मिलती आयी है। परिसर की समस्याओं को लेकर पंकज ने कई जनआंदोलन भी किए थे। ऐसे में ओमी कालानी से स्थानीय वार्डवासियों ने पैनल 5 से उन्हें टिकट देने की मांग की है। गोल मैदान परिसर से पंकज को भारी समर्थन भी मिल रहा है।

उल्हासनगर मनपा चुनाव के लिए मतदान कार्याध्यक्ष और स्टाफ को दी गई ट्रेनिंग

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगर पालिका ने उल्हासनगर मनपा चुनाव 2025 के लिए पोलिंग स्टेशन प्रेसिडेंट और स्टाफ के लिए एक ट्रेनिंग क्लास प्रोग्राम ऑर्गनाइज़ किया। यह प्रोग्राम उल्हासनगर के कैंप नंबर 3 में शहीद जनरल अरुण कुमार वैद्य ऑडिटोरियम में हुआ।

इस ट्रेनिंग क्लास प्रोग्राम में पोलिंग स्टेशन प्रेसिडेंट P1, P2, P3 और जवानों को चुनाव के बारे में ट्रेनिंग दी गई। सुबह 9.30 बजे से शाम 5.00 बजे तक चले इस प्रोग्राम में बड़ी संख्या में स्टाफ मौजूद था।

इस ट्रेनिंग क्लास के लिए अतिरिक्त आयुक्त किशोर गवस, सभी उपायुक्त, चुनाव निर्णय अधिकारी और एक से छह तक के सभी सहायक चुनाव निर्णय अधिकारी, चीफ अकाउंट्स ऑफिसर किरण भिलारे, चीफ ऑडिटर अभिजीत पिसल, नोडल ऑफिसर गणेश शिम्पी, सिस्टम एनालिस्ट श्रद्धा बाविस्कर, स्टोरहाउस चीफ अंकुश कदम और मनपा के सभी ऑफिसर और स्टाफ बड़ी संख्या में मौजूद थे।

मौजूद सभी लोगों को म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के आम चुनावों के बारे में ट्रेनिंग और कुछ ज़रूरी इंस्ट्रक्शन और गाइडेंस भी दी गई।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

यूपी में बढ़ता अपराध

उत्तर प्रदेश सरकार आए दिन यह दावा करने में कोई संकोच नहीं करती कि उसने राज्य में अपराध और अपराधियों को खत्म कर दिया है। मगर राज्य के अलग-अलग इलाकों से जिस तरह लगातार जघन्य वारदात की खबरें आती हैं, वे यह बताने के लिए काफी हैं कि सरकारी दावों की हकीकत क्या है।

ज्यादा चिंता की बात यह है कि अपराधों का दायरा फैलते हुए अब नाबालिगों या किशोरों को भी चपेट में ले रहा है। गौरतलब है कि राज्य के गोरखपुर जिले में कोआपरेटिव इंटर कालेज के परिसर में शुक्रवार को तीन हमलावर घुसे और उन्होंने ग्यारहवीं के एक छात्र की गोली मार कर हत्या कर दी। परिसर में जब छात्र इकट्ठा होने लगे, तो तीनों हमलावर तमंचा लहराते हुए भाग निकले। खबरों के मुताबिक, सोशल मीडिया पर टिप्पणियों की वजह से उनके बीच विवाद हुआ था और इसी वजह से तीन ने मिल कर एक छात्र की हत्या कर दी। एकबारगी यह कल्पना से बाहर की बात लगती है कि स्कूल परिसर में हुए इस जघन्य अपराध में पीड़ित और हमलावर, दोनों ही किशोर हैं, लेकिन यह घटना एक सच्चाई है, जो सबके लिए चिंता की बात होनी चाहिए।

पिछले कई वर्षों से उत्तर प्रदेश की सरकार अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में इसी बात को जोर-शोर से प्रचारित करती है कि उसके उठाए कदमों की वजह से अब राज्य में अपराधियों के पांव कांपते हैं और अपराध पर पूरा नियंत्रण हो गया है। मगर हालत यह है कि राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों में हत्या जैसे जघन्य अपराधों के अलावा महिलाओं और दलितों के खिलाफ आपराधिक घटनाओं के मामले में उत्तर प्रदेश सबसे चिंताजनक स्थिति में पहुंच गया है।

ज्यादा परेशान करने वाली बात यह है कि एक ओर सरकार अपराध खत्म करने के दावे करती रही और दूसरी ओर आपराधिक घटनाओं का दायरा फैलता गया। प्रचार के बरक्स अपराध की तस्वीर यही बताती है कि राज्य में कानून-व्यवस्था लचर स्थिति में है और आपराधिक मानसिकता वाले लोग बेखौफ दिखते हैं। सवाल है कि अगर अपराध के पांव नाबालिगों या किशोरों के बीच भी फैल रहे हैं तो आने वाले वक्त में इसका सामाजिक असर क्या होगा और उसके लिए कौन जिम्मेदार होगा?

विचार: सामने आनी चाहिए नेहरू की चिट्ठियां

देश के पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के निजी पत्रों और दस्तावेजों पर किसका अधिकार है? राष्ट्र का या नेहरू-गांधी परिवार का? यह बहस एक बार फिर गरमा गई है। हाल में जब भाजपा सांसद संबित पात्रा ने संसद में कहा कि नेहरू से जुड़े कागज प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय से गायब हैं तो केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि देश के पहले प्रधानमंत्री से संबंधित कोई दस्तावेज प्रधानमंत्री संग्रहालय से लापता नहीं है।

केंद्रीय मंत्री ने इसे स्पष्ट करते हुए कहा कि नेहरू जी के 'पत्र लापता नहीं हैं' कहने का अर्थ है कि वे सोनिया गांधी के पास हैं, क्योंकि लापता वह चीज होती है, जिसके विषय में कुछ पता ही नहीं हो। सवाल यह है कि क्या सरकार ने इन पत्रों पर राजनीति की या नेहरू-गांधी परिवार इन खतों को देश के सामने नहीं आने देना चाहता? इससे भी बड़ा सवाल यह है कि क्या नेहरू-गांधी परिवार के पास मौजूद पत्र अब अस्तित्व में हैं या नहीं?

इसमें कोई शक नहीं है कि जवाहरलाल नेहरू की चिट्ठियां समकालीन राजनीति और समाज का जीवंत दस्तावेज हैं। उनके पत्र आज भी जीवंत हैं, क्योंकि वे भारत की आधुनिक चुनौतियों जैसे सांप्रदायिकता, राष्ट्रवाद, भारत की वैश्विक भूमिका और सामाजिक न्याय के सवाल को संबोधित करते हैं। इसके अलावा इन चिट्ठियों में उनके निजी जीवन की झलक भी है। उनमें से अधिकांश वर्षों तक प्रधानमंत्री संग्रहालय में रखे हुए थे, लेकिन मनमोहन सरकार में अचानक इन चिट्ठियों की मौजदूगी का पता बदल गया।

इस साल अप्रैल में प्रधानमंत्री म्यूजियम की तरफ से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को एक खत लिखा गया। उसमें कहा गया कि राहुल गांधी के परिवार के पास जवाहरलाल नेहरू से जुड़े जो दस्तावेज हैं, वे वापस कर दिए जाएं। प्रधानमंत्री म्यूजियम और लाइब्रेरी सोसायटी के सदस्य रिजवान कादरी ने दावा किया था कि 2008 में यूपीए कार्यकाल में 51 बक्सों में भरकर नेहरू के निजी खत सोनिया गांधी के पास पहुंचाए गए थे।

उनका दावा है कि उन्होंने सितंबर 2024 में भी सोनिया गांधी को खत लौटाने के लिए पत्र लिखा था, लेकिन उनसे कोई जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने राहुल गांधी को पत्र लिखा। रिजवान कादरी ने जिन 51 बक्सों की बात की थी, उनमें नेहरू के वे पत्र रखे हुए हैं, जो उन्होंने एडविना माउंटबेटन, अल्बर्ट आइंस्टीन, जयप्रकाश नारायण, पद्मजा नायडू, विजयलक्ष्मी पंडित, अरुणा आसफ अली, बाबू जगजीवन राम और गोविंद बल्लभ पंत जैसी कई नामी शख्सियतों को लिखे थे।

हालांकि ऐसा नहीं है कि इन पत्रों को सार्वजनिक करने की मांग पहली बार की गई है। 2014 में भी ऐसी मांग उठी थी। उस वक्त यूनिवर्सिटी आफ नार्थ कोलंबिया के इतिहासकार सुसान डेनबे ने नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय से 1947 के बाद के नेहरू के पत्र देखने की इच्छा जताई थी, लेकिन उन्हें मंजूरी नहीं मिल पाई। इन खतों को लेकर नेहरू-गांधी परिवार के करीबी ये तर्क देते हैं कि प्रधानमंत्री संग्रहालय ने ऐसे खत परिवार को तोहफे में दे दिए थे और तोहफा वापस कैसे लिया जा सकता है, लेकिन क्या देश के पहले प्रधानमंत्री का पत्र व्यवहार परिवार की जागीर हो सकता है?

अच्छी बात यह है कि अब यह बहस गर्म हो रही है और इस बारे में नेहरू-गांधी परिवार को जवाब देना होगा। नेहरू के कई खत हंगामा मचा सकते हैं। ऐसे कई किस्से हैं, जो इन पत्रों के सनसनीखेज होने का इशारा करते हैं। उदाहरण के लिए जयप्रकाश नारायण को एक बार अपने घर की सफाई में कुछ खत मिले थे, जो उन्होंने इंदिरा गांधी को लौटा दिए थे। एक खत में कमला नेहरू प्रभावती (जेपी की पत्नी) को लिखती हैं-'तुम भाग्यशाली हो कि तुमसे वह (जेपी) बराबरी से बात करते हैं...।'

एक अन्य खत में कमला नेहरू लिखती हैं-मैंने एक हाउस वाइफ की तरह 35 साल बिताकर बहुत बड़ी गलती की। अगर यह समय मैं भगवान को खोजने में लगाती तो शायद वे भी मिल जाते। जेपी नेहरू को भाई कहते थे। उन्हें लगा कि ऐसे खत बेवजह हंगामा मचा सकते हैं। लिहाजा साथियों के फोटोकॉपी कराने की मांग को भी अनसुना कर दिया।

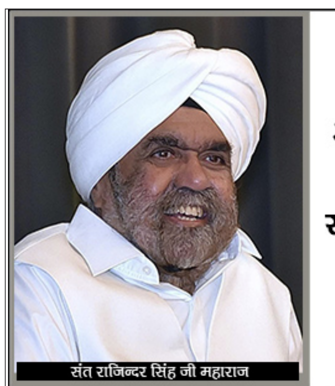
संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

आत्मा उस आध्यात्मिक बीज के समान है जो हमारे अंदर सुप्त रहती है, जब तक हम उसे पोषित नहीं करते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

कनाडा में भारतीयों की सुरक्षा का सवाल

कनाडा में दो सप्ताह के भीतर दो भारतीयों की हत्या ने सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता पैदा कर दी है। पिछले हफ्ते टोरंटो में एक भारतीय महिला की उसके आवास पर हत्या कर दी गई। दूसरी घटना में टोरंटो विश्वविद्यालय के स्कारबोरो परिसर के पास बीस वर्षीय एक भारतीय शोध छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इन वारदात के पीछे क्या कारण थे और इसे किसने अंजाम दिया, इसकी जांच पुलिस कर रही है, लेकिन सवाल है कि आखिर कनाडा में भारतीय मूल के लोगों पर हमले क्यों हो रहे हैं? क्या यह नस्लीय नफरत से उपजी कुंठा और आक्रामकता का नतीजा है या फिर किसी सोची-समझी साजिश की कड़ियां, जो लक्षित तरीके से हमलों का जाल बुना जा रहा है!

यही नहीं, कनाडा के एक अस्पताल में हाल में इलाज का इंतजार कर रहे भारतीय मूल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। बताया जाता है कि इस व्यक्ति को आठ घंटे से अधिक समय तक इंतजार करने के बाद भी उपचार नहीं मिला और हृदयघात से उसकी जान चली गई। यह घटना न केवल चिकित्सकों की लापरवाही दर्शाती है, बल्कि भारतीय मूल के लोगों के साथ भेदभाव की ओर भी इशारा करती है।

गौरतलब है कि कनाडा में भारतीयों और भारतीय मूल के लोगों की संख्या अच्छी-खासी है। हर साल बड़े पैमाने पर भारतीय युवा वहां उच्च शिक्षा ग्रहण करने जाते हैं। नीति आयोग की हाल की एक रपट के मुताबिक, उच्च शिक्षा हासिल करने के मामले में भारतीय विद्यार्थी के लिए कनाडा पहली पसंद है। इसके बाद अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और जर्मनी का स्थान आता है।

पिछले वर्ष कनाडा में सवा चार लाख भारतीय विद्यार्थी अध्ययनरत थे। इसके अलावा कनाडा की नागरिकता लेकर वहां बसे भारतीयों की संख्या पंद्रह लाख से अधिक है। ऐसे में सवाल है कि जो भारतीय पढ़ाई या नौकरी के लिए कनाडा जाते हैं, या जो वहां के स्थायी नागरिक बन गए हैं, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी वहां की सरकार और सुरक्षा एजंसियों की नहीं, तो और किसकी है?

हाल के वर्षों में कनाडा में भारतीयों पर हमले की खबरें आए दिन आती रहती हैं, जिससे वहां की कानून व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। यह बात छिपी नहीं है कि कनाडा में भारतीयों और भारतीय मूल के लोगों तथा उनके धार्मिक प्रतिष्ठानों पर लक्षित तरीके से हमले की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि हुई है।

टोरंटो विश्वविद्यालय के शोधार्थी छात्र और उससे पहले एक भारतीय महिला की हत्या को भी इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं, टोरंटो के दक्षिण-पूर्वी एडमोंटन स्थित अस्पताल में भारतीय मूल के व्यक्ति को आठ घंटे तक इलाज मुहैया न कराने की घटना प्रथम दृष्टया नस्लीय भेदभाव का मामला ही प्रतीत होता है। इस तरह की घटनाओं को लेकर समान रूप से यह बात भी सामने आई है कि वहां की सुरक्षा एजंसियां कार्रवाई में उतनी तत्पर नजर नहीं आती, जितनी उनसे अपेक्षा की जाती है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि जांच अधिकारी जानबूझकर लापरवाही बरतने का प्रयास करते हैं। ऐसे में भारत सरकार को चाहिए कि इस तरह के मामलों को कूटनीतिक स्तर पर प्रभावी तरीके से उठाया जाए और उचित कार्रवाई का दबाव बनाया जाए। वहीं, कनाडा की सरकार को भी यह बात समझनी होगी कि द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के प्रयास वहां रहे भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित किए बिना सिरे नहीं चढ़ पाएंगे।

ये है दुनिया का सबसे शक्तिशाली क्रेडिट कार्ड

आज के लाइफस्टाइल में कई लोग क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं. आप इस कार्ड से शॉपिंग करने के बाद बिल बाद में पे कर सकते हैं.

जरा हट के

जहां डेबिट कार्ड से पेमेंट आपके खाते में मौजूद पैसों से होती है, वहीं क्रेडिट कार्ड से आप सीधे पेमेंट कर बाद में बैंक को पैसे चुकाते हैं. लेकिन हर कार्ड की अपनी लिमिट होती है. बैंक आपके खाते के हिसाब से आपको लिमिट वाला क्रेडिट कार्ड देता है.

लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसा क्रेडिट कार्ड है, जिसकी कोई लिमिट नहीं है. जी हां, ये है दुनिया का सबसे शक्तिशाली क्रेडिट कार्ड. नाम है अमेरिकन एक्सप्रेस का सेंचुरियन कार्ड, जिसे आम बोलचाल में अमेक्स ब्लैक कार्ड कहा जाता है. ये वाकई में क्रेडिट कार्ड की दुनिया का बादशाह माना जाता है. इस कार्ड की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें कोई

पूर्व निर्धारित क्रेडिट लिमिट नहीं होती. यानी आप चाहें तो लाखों, करोड़ों या यहां तक कि अरबों रुपये की शॉपिंग इस कार्ड से कर सकते हैं.

ये कार्ड आपको अनलिमिटेड शॉपिंग की पावर तो देती है लेकिन इसे पाना इतना आसान नहीं है. यह कार्ड सिर्फ इन्विटेशन पर ही मिलता है. अमेरिकन एक्सप्रेस खुद चुनता है कि किसे यह ऑफर करना है. सेंचुरियन कार्ड की शुरुआत 1999 में हुई थी, लेकिन इसकी अफवाहें और रहस्य 1980 के दशक से ही चल रही है. शुरू में इसे एक मिथक की तरह देखा जाता था, जहां कहा जाता था कि सिर्फ कुछ चुनिंदा लोग जैसे ब्रुनेई के सुल्तान या अमेक्स के सीईओ ही इसे रखते हैं. आज भी यह कार्ड दुनिया भर में सबसे एक्सक्लूसिव माना जाता है.

अनुमान है कि पूरी दुनिया में इस कार्ड के सिर्फ 1 लाख से कम होल्डर्स हैं और अमेरिका में भी महज 20,000 के आसपास लोग ही इसका प्रयोग करते हैं.

इस क्रेडिट कार्ड के मालिक भारत में और भी कम हैं. शायद कुछ सौ लोग ही इसे इस्तेमाल करते होंगे. इस कार्ड को पाने के लिए कोई सामान्य आवेदन प्रक्रिया नहीं है. अमेरिकन एक्सप्रेस के पास आपके पिछले खर्च का रिकॉर्ड होना चाहिए.

टेस्टी टोफू-आलू रैप

अक्सर हम सोचते हैं कि हेल्दी खाना टेस्टी नहीं होता, लेकिन 'टोफू-आलू रैप' एक ऐसी डिश है, जो आपकी इस सोच को पूरी तरह बदल देगी। जी हां, आलू का चटपटा स्वाद और टोफू का भरपूर प्रोटीन- यह डिश आपके दिन की शुरुआत के लिए एकदम परफेक्ट है। टोफू में बहुत सारा प्रोटीन और कैल्शियम होता है, जो आपको दिन भर एनर्जी देता है। वहीं, आलू इसे वह 'देसी स्वाद' देता है जो हम सबको पसंद है। सबसे अच्छी बात यह है कि इसे बनाने में सिर्फ 10-15 मिनट लगते हैं। आइए, बिना देर किए जान लीजिए इसे बनाने की आसान विधि।

सामग्री

रैप के लिए:
बची हुई रोटी या टॉर्टिला

फिलिंग के लिए:
1 उबला हुआ आलू (मैश किया हुआ), 100 ग्राम टोफू (कद्दूकस या चूरा किया हुआ)

मसाले: बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, नमक, लाल मिर्च पाउडर, चाट मसाला और थोड़ा सा हरा धनिया

सॉस: हरी चटनी, मेयोनीज या केचप (जो भी आपको पसंद हो)

बनाने की विधि

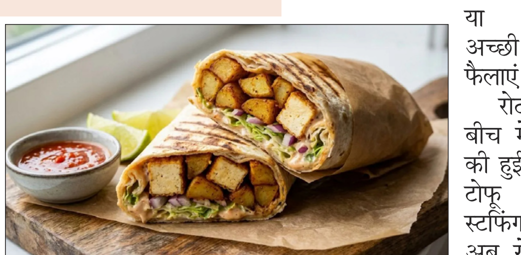

एक पैन में थोड़ा सा तेल गर्म करें। इसमें प्याज और हरी मिर्च डालकर हल्का भूनें। अब इसमें मैश किया हुआ आलू, टोफू और सारे मसाले डाल दें। इसे 2-3 मिनट तक अच्छे से पकाएं और अंत में हरा धनिया डाल दें।

एक रोटी या टॉर्टिला लें। उस पर अपनी पसंद की सॉस (चटनी या केचप) अच्छी तरह फैलाएं।

रोटी के बीच में तैयार की हुई आलू-टोफू की स्टफिंग रखें। अब रोटी को दोनों तरफ से मोड़कर एक टाइट रोल बना लें।

अगर आपको क्रिस्पी पसंद है, तो तवे पर थोड़ा मक्खन लगाकर रैप को दोनों तरफ से हल्का सेक लें।

रिश्ते में नजर आने लगें ये 3 संकेत, तो समझ जाएं हो सकता है ब्रेक-अप

रिश्ते जीवन का एक सुनहरा पहलू हैं, लेकिन कभी-कभी ये धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगते हैं। जब प्यार और समझ की जगह तनाव और दूरी ले लेती है, तो समझ जाना चाहिए कि रिश्ते में कुछ गड़बड़ है। हालांकि, कई बार व्यक्ति समझ नहीं पाता है कि उसके रिश्ते की नींव कमजोर हो चुकी है। लेकिन कुछ संकेतों की मदद से आप समझ सकते हैं कि आपका रिश्ता खत्म होने की कगार पर पहुंच चुका है। आइए जानें इनके बारे में।

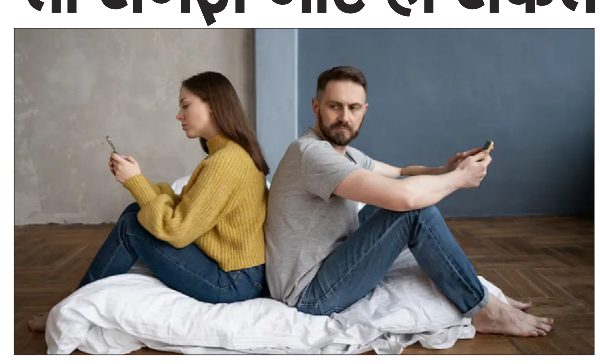

बात-चीत की कमी और भावनात्मक दूरी

किसी भी स्वस्थ रिश्ते की नींव बेहतर कम्युनिकेशन, यानी खुलकर बात-चीत, होती है। जब यह संवाद टूटने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि चीजें ठीक नहीं हैं। पहले जहां हर छोटी-बड़ी बात शेयर की जाती थी, अब चुप्पी या सतही बातचीत ही रह गई है। साथी की भावनाओं में दिलचस्पी कम होना, उनकी बातों को गंभीरता से न लेना, या बातचीत के दौरान लगातार तनाव महसूस होना खतरे की घंटी है। जब दो लोग शारीरिक रूप से साथ हों लेकिन भावनात्मक रूप से मीलों दूर लगें, तो यह रिश्ते के टूटने का साफ संकेत है।

आपसी सम्मान और सहयोग की कमी

प्यार के अलावा सम्मान और सहयोग रिश्ते की दो सबसे मजबूत डोर होती हैं। जब एक-दूसरे की राय, भावनाओं या पर्सनल स्पेस का सम्मान करना बंद कर दें, तो रिश्ता डगमगाने लगता है। हमेशा क्रिटिसाइज करना, अपमानजनक टिप्पणियां, या साथी की सफलता में खुशी न महसूस करना चिंताजनक संकेत हैं। इसके अलावा, जरूरत के समय सहयोग की जगह उदासीनता दिखाई दे, तो समझ लेना चाहिए कि साथी अब टीम की तरह नहीं सोच रहा।

भविष्य की योजनाओं में एक-दूसरे को शामिल न करना

जो रिश्ते टिकाऊ होते हैं, उनमें भविष्य की साझी तस्वीर होती है। अगर आप या आपका साथी भविष्य की योजनाएं बनाते समय एक-दूसरे को शामिल नहीं करते, या फिर अलग-अलग दिशाओं के सपने देखने लगे हैं, तो यह गंभीर संकेत है। उदाहरण के लिए, करियर, घर, परिवार या पर्सनल गोल्स पर चर्चा करते समय अगर साथी की उपेक्षा की जाए, तो यह दिखाता है कि रिश्ते में गहराई कम हो गई है।

इन संकेतों का मतलब यह नहीं है कि रिश्ता तुरंत खत्म हो जाएगा, बल्कि यह चेतावनी है कि कुछ सुधार की जरूरत है। ऐसे समय में खुलकर बातचीत, कपल थेरेपी या आपसी कोशिशों से रिश्ते को संभाला जा सकता है। लेकिन अगर लगातार कोशिशों के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती, तो कभी-कभी अलग राह चुनना ही बेहतर होता है। याद रखें, एक स्वस्थ रिश्ता दो लोगों के विकास में सहायक होता है, न कि बोझ बनकर उनकी खुशियों को रोकता है।

आज का राशिफल

मेष : पार्टनर से मतभेद समाप्त होगा। नौकरी में अधिकारी का सहयोग तथा विश्वास मिलेगा। पारिवारिक व्यस्तता रहेगी। आकस्मिक व्यय से तनाव रहेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। विवेक से कार्य करें। स्थानीय धर्मस्थल की परिवार के साथ यात्रा होगी।

वृषभ : लेनदारी वसूल होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। शत्रु भय रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में ग्राहकी अच्छी रहेगी। नौकरी में कार्य व्यवहार, ईमानदारी की प्रशंसा होगी। मशक्कत करने से लाभ होगा। चिंता होगी। शत्रु पराजित होंगे।

मिथुन : कारोबारी नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। मान-सम्मान मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्त्री कष्ट संभव। कलह से बचें। कार्य में सफलता, शत्रु पराजित होंगे। विवेक से कार्य बनेंगे। पेट रोग से पीड़ित होने की संभावना। वस्त्राभूषण की प्राप्ति के योग।

कर्क : यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। कानूनी बाधा दूर होगी। देव दर्शन होंगे। राज्य से लाभ होने की संभावना। मातृपक्ष की चिंता। वाहन-मशीनरी का प्रयोग सावधानी से करें। धनागम की संभावना। मित्र मिलेंगे। विवाद न करें।

सिंह : प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। झंझटों में न पड़ें। आगे बढ़ने के मार्ग मिलने की संभावना। शत्रु पराजित होंगे। लाभ होगा। स्वास्थ्य ठीक होगा। अनजाना भय सताएगा। राज्य से लाभ। शत्रु शांत होंगे।

कन्या : बेचैनी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। नेत्र पीड़ा की संभावना। धनलाभ एवं बुद्धि लाभ होगा। शत्रु से परेशान होंगे। अपमान होने की संभावना। कष्ट की संभावना। धनहानि। कष्ट-पीड़ा। शारीरिक पीड़ा होगी।

तुला : स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। भागदौड़ रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। धनागम सुस्त रहेगा। कार्य के प्रति अनमनापन रहेगा। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। कुछ लाभ की संभावना। चिंताएं कुछ कम होंगी।

वृश्चिक : लेन-देन में सावधानी रखें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शत्रु पर विजय, हर्ष के समाचार मिलने की संभावना। कुसंग से हानि। धनागम सुखद रहेगा। प्रेमिका मिलेगी। कुछ आय होगी। माता को कष्ट रहेगा।

धनु : भय, पीड़ा व भ्रम की स्थिति बन सकती है। व्यर्थ भागदौड़ होगी। भय-पीड़ा, मानसिक कष्ट की संभावना। लाभ तथा पराक्रम ठीक रहेगा। दु:समाचार प्राप्त होंगे। हानि तथा भय की संभावना, पराक्रम से सफलता, कलहकारी वातावरण बनेगा। भयकारक दिन रहेगा।

मकर : जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। घर-बाहर अशांति रह सकती है। प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा के योग बनेंगे। कुछ कष्ट होने की संभावना। लाभ के योग बनेंगे। स्त्री वर्ग को कष्ट। कुसंग से कष्ट। कलहकारक दिन रहेगा। अपनी तरफ से बात को बढ़ावा न दें।

कुंभ : शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। आय में वृद्धि होगी। विरोध की संभावना, धनहानि, गृहस्थी में कलह, रोग से घिरने की संभावना, कुछ कार्यसिद्धि की संभावना। चिंताएं जन्म लेंगी। स्त्री पीड़ा, कुछ लाभ की आशा करें।

मीन : रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। परिवार की चिंता रहेगी। लाभ होगा। अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। चिंता से मुक्ति नहीं मिलेगी। शत्रु दबे रहेंगे। कलह-अपमान से बचें। संभावित यात्रा होगी। सावधानी बरतना होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बिना डिटर्जेंट- सॉफ्टनर कपड़ों में दिखेगी नई चमक

■ पैसे की बचत अलग, ट्राई करें ये हैक

सेंसिटिव स्किन के लिए तेज केमिकल वाले डिटर्जेंट और फ्रेशनर परेशानी पैदा कर सकते हैं. इसी वजह से लोग ऐसे आसान और सस्ते तरीकों की तलाश में रहते हैं, जो कपड़ों को अच्छे से साफ करें और साथ ही केमिकल का इस्तेमाल भी कम हो.यहां हम आपको 5 ऐसे तरीके बता रहे हैं, जो कपड़ों की सफाई को आसान और किफायती बनाते हैं.

सिरके से कपड़ों की बदबू दूर करें- अगर कपड़ों में सीलन या बदबू आ रही है, खासकर तौलियों या स्पोर्ट्स कपड़ों में, तो वॉश में सफेद सिरका डालें. सिरके में मौजूद एसिड कपड़ों पर जमी गंदगी और बदबू को हटाता है. इसे फैब्रिक सॉफ्टनर की जगह इस्तेमाल किया जा सकता है

एसेंशियल ऑयल का करें इस्तेमाल- लैवेंडर या टी ट्री ऑयल जैसे एसेंशियल ऑयल नेचुरल रूप से एंटी-बैक्टीरियल होते हैं. इन्हें सिरके या डिटर्जेंट के साथ मिलाकर डालने से फफूंद की बदबू कम होती है. ध्यान रखें कि अच्छी क्वालिटी, थैरेप्यूटिक-ग्रेड ऑयल ही इस्तेमाल करें.

बेकिंग सोडा से कपड़े बनें चमकदार- बेकिंग सोडा एक नेचुरल डियोडराइजर है. वॉशिंग मशीन के रिंस साइकिल में आधा कप बेकिंग सोडा डालकर कपड़े धोने से दाग हल्के होते हैं और बदबू भी खत्म होती है.

ड्रायर शीट्स की जगह ड्रायर बॉल- ड्रायर शीट्स में मौजूद केमिकल कपड़ों और ड्रायर मशीन दोनों पर परत जमा कर सकते हैं. इसकी जगह ऊन की ड्रायर बॉल या टेनिस बॉल का इस्तेमाल करें. इससे कपड़े फुलेंगे और जल्दी सूखेंगे.

गर्म कपड़े तुरंत मोड़ें- ड्रायर से कपड़े निकालते ही मोड़ लेने से सिलवटें नहीं पड़तीं. अगर पूरा लोड नहीं मोड़ सकते, तो जींस, शर्ट और बेडशीट पहले निकाल लें.

कैसी होती है तिल की तासीर?

जानें सर्दियों में इसे खाने से क्या होते हैं फायदे

सर्दियों में तिल से बनी चीजें जैसे तिल के लड्डू, गुड़, चीनी की पट्टी आदि खूब मिलने लगते हैं. काले-सफेद रंग के ये छोटे-छोटे दाने पौष्टिक तत्वों का खजाना हैं. तिल में कई तरह के पोषक तत्व होते हैं, जो कई तरह की शारीरिक समस्याओं को दूर रखते हैं. शरीर को ताकत, एनर्जी देते हैं. आज लोग हेल्दी रहने के लिए कई तरह की विटामिंस, मल्टीविटामिंस, मिनरल्स की दवाओं का सेवन करते हैं, लेकिन ये सभी चीजें आपको काले-सफेद तिल में ही मिल जाएंगे और इसे खाने के कोई दुष्प्रभाव नहीं होंगे. नहीं जानते हैं तिल के फायदों के बारे में तो यहां जान लीजिए.

तिल में ढेरों पोषक तत्व होते हैं. साथ ही ये मल्टीविटामिन और मिनरल्स का पावरहाउस है. तिल की तासीर गर्म होती है, इसलिए गर्मी के मुकाबले ये सर्दियों में खूब बिकता है. आयुर्वेद में इसे 'महा-औषधि' कहा जाता है. आधुनिक विज्ञान में इसे 'न्यूट्रिएंट डेंस सुपरफूड' कहा गया है.

तिल में मौजूद पोषक तत्वों को शरीर आसानी से तुरंत सोख लेता है. 100 ग्राम सफेद तिल में लगभग 975 एमजी कैल्शियम होता है. यह एक गिलास दूध से कहीं ज्यादा है. हड्डियों और जोड़ों के लिए कैल्शियम बहुत जरूरी है. ऐसे में तिल इसे प्राकृतिक तरीके से पूरा करता है. हड्डियों को मजबूती देता है.

तिल में आयरन और कॉपर भी प्रचुर मात्रा में होते हैं. ये खून बनाने और एनीमिया दूर करने में किसी भी आयरन टॉनिक से ज्यादा फायदा करता है. जो लोग वर्कआउट करते हैं, घंटों जिम जाकर मसल्स बनाते हैं,उनके लिए तिल प्रोटीन का बेहतर स्रोत है.साथ ही इसमें जिंक, मैंगनीज, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, फाइबर आदि भी होते हैं, जो दैनिक जरूरतों का अच्छा खासा हिस्सा पूरा करते हैं.

तिल में सेसामिन और सेसामोलिन जैसे तत्व भी होते हैं, जो बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं. दिल और लिवर की सुरक्षा करते हैं. ब्लड प्रेशर को नेचुरल तरीके से कंट्रोल में रखते हैं.

काले तिल को आयुर्वेद में सफेद तिल से भी ज्यादा गुणकारी माना गया है. यह नसों की कमजोरी दूर करता है. बालों को असमय सफेद होने से बचाता है. मानसिक रूप से खुशी और ताजगी प्रदान करता है. तिल के तेल में नेचुरल एसपीएफ होता है, जिससे सूरज की किरणों से त्वचा सुरक्षित रहती है. सुबह खाली पेट तिल चबाने से दांत और मसूड़े मजबूत रहते हैं. उम्र बढ़ने के बाद भी दांत स्थिर रहते हैं.

तिल का फायदा उठाने का आसान तरीका यह है कि इसे हल्का भूनकर खाया जाए. कच्चे तिल में कुछ फाइटेट्स होते हैं, जो पोषक तत्वों के अवशोषण में बाधा डालते हैं. जब आप तिल को भूनते हैं तो उसके बाद हर मिनरल शरीर में आसानी से घुल जाता है. तिल के लड्डू, पट्टी, सालद, सूप, स्मूदी आदि में डालकर भी इसका सेवन कर सकते हैं.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

कानपुर IIT के एक और छात्र ने दी जान

कानपुर. कानपुर आईआईटी में छात्र-छात्राओं के सुसाइड का सिलसिला थम नहीं रहा है। सोमवार को राजस्थान के मूल निवासी बीटेक छात्र ने जय सिंह ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव कमरे में फंदे से लटकता मिला। कमरे से जय सिंह का एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है जिसमें उसने लिखा है-सॉरी एवरीवन। मौके पर पहुंची पुलिस घटनास्थल की जांच पड़ताल कर रही है। बता दें कि इसके पहले इस साल अक्टूबर में भी आईआईटी कानपुर के बीटेक फाइनल ईयर के स्टूडेंट धीरज सैनी की लाश हॉस्टल के उसके कमरे में मिली थी। तीन दिन तक उसका शव कमरे में पड़ा रहा और किसी को भनक तक नहीं लगी थी। जब तेज बदबू आने लगी तब अगल-बगल के कमरे में रहने वाले स्टूडेंट्स को धीरज की मौत के बारे में पता चला।

अवैध धर्मांतरण केस में तगड़ा ऐक्शन, पादरी और उसके बेटे को पुलिस ने किया गिरफ्तार

फतेहपुर. उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के अवैध धर्मांतरण के मामले में एक तगड़ा ऐक्शन हुआ है। यहां एक चर्च में प्रार्थना सभा के दौरान अवैध धर्मांतरण के कथित प्रयास के लिए एक पादरी और उसके बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस घटना के बाद हिंदू संगठनों के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस के मुताबिक, राधा नगर थानाक्षेत्र के देवीगंज इलाके स्थित एक चर्च के अंदर रविवार को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदर्शन किए जाने के बाद पादरी डेविड ग्लैडियन (60) और उनके बेटे अभिषेक ग्लैडियन (30) को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि हिंदू महिलाओं को रुपये, नौकरी और बच्चों की मुफ्त शिक्षा का लालच देकर गिरजाघर में लाया जा रहा था।

पेट्रोल पंप कर्मचारी की मैदान में मिली नग्न लाश

कानपुर. यूपी के कानपुर में हैरान करने वाली वारदात हुई है। निराला नगर स्थित रेलवे ग्राउंड में सोमवार सुबह पेट्रोल पंप पर काम करने वाले युवक की नग्न लाश मिलने से सनसनी फैल गई। लोग मौके पर पहुंचे तो छाती और चेहरे के ऊपर के हिस्से को कुत्ते नोच कर खा रहे थे। पास में ही युवक के कपड़े और पेट्रोलियम कम्पनी की जैकेट और चप्पल पड़े थे। कुछ दूरी पर युवक की बाइक खड़ी थी। लोगों ने कुत्तों को खदेड़ा।

युवक की पहचान संजय नगर बस्ती निवासी 32 वर्षीय राहुल अवस्थी के रूप में हुई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने बताया कि राहुल रमईपुर स्थित एचपी के पेट्रोल पंप पर काम करता था।

पत्नी की हत्या कर खुद भी फंदे पर झूल गया पति, ग्रेटर नोएडा में सनसनीखेज कांड

ग्रेटर नोएडा. ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सरस्वती कुंज कॉलोनी में रहने वाले एक सिक्योरिटी गार्ड ने गृह क्लेश के चलते पहले अपनी पत्नी की हत्या कर दी। इसके बाद उसने खुद भी पंखे से लटक कर खुदकुशी कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची बिसरख थाना पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बिसरख थाना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, मूलरूप से उत्तर प्रदेश के एटा का रहने वाला 35 वर्षीय अनिल अपनी पत्नी अनीता के साथ करीब एक महीन से सरस्वती कुंज कॉलोनी में किराये के मकान में रह रहा था। अनिल एक सोसाइटी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। वहीं उसकी पत्नी अनीता आस-पास की सोसाइटियों और घरों में साफ-सफाई का काम करती थी।

शाह बोले- असम जैसे पूरे देश से भगाएंगे घुसपैठिए

- स्वतंत्रता सेनानी गोपीनाथ ने असम को भारत में बनाए रखने के लिए नेहरू को मजबूर किया
- 227 करोड़ की बटाद्रवा परियोजना का शुभारंभ किया

नौगांव. असम के नौगांव में सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बटाद्रवा पुनर्विकास परियोजना का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में शाह ने कहा- हिमंत बिस्वा सरमा ने बांग्लादेशी घुसपैठियों से एक लाख जमीन बीघा जमीन मुक्त करवा दी है। इसी तरह पूरे देश से हम घुसपैठियों को भगाएंगे।

उन्होंने आगे कहा कि आज मैं गोपीनाथ बोरदोलोई जी को याद करना चाहता हूं। अगर वे नहीं होते, तो आज असम और पूरा नॉर्थ ईस्ट भारत का हिस्सा नहीं होता। शाह ने कहा कि गोपीनाथ ने ही जवाहरलाल नेहरू को असम को भारत में बनाए रखने के लिए मजबूर किया था।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बटाद्रवा थान में 227 करोड़ रुपए की लागत से पुनर्विकसित श्रीमंत शंकरदेव आविर्भाव क्षेत्र का उद्घाटन किया। यह स्थान असम के महान वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव की जन्मभूमि है। अमित शाह का पारंपरिक सत्रिया नृत्य और संगीत के साथ स्वागत किया गया। उन्होंने गुरु आसन (पूजनीय गद्दी) वाले मुख्य भवन में जाकर दर्शन भी किए।

अमित शाह के बयान की मुख्य बातें...

- केंद्र सरकार ने उग्रवादी संगठनों के साथ शांति समझौते किए हैं, जिनमें से 92% शर्तें पूरी की जा चुकी हैं। असम में शांति और विकास की स्थिति मजबूत हुई है।
- बटाद्रवा थान को नव-वैष्णव धर्म का केंद्र है। यह जगह असम की सांस्कृतिक एकता और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। परियोजना से पर्यटन और संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।
- असम में केंद्र सरकार के प्रयासों से शांति, विकास और सांस्कृतिक संरक्षण हो रहा है। गुवाहाटी में नई सुरक्षा व्यवस्था से शहर सुरक्षित बनेगा।
- एक बार फिर असम की जनता भाजपा को अपना समर्थन दे। हम पूरे असम को घुसपैठियों से मुक्त करेंगे। जो लोग घुसपैठियों को वोट बैंक मानते हैं, वे ऐसा कभी नहीं कर सकते।
- असम ने डॉ. मनमोहन सिंह जी को राज्यसभा भेजा, लेकिन वे केवल 7 बार ही असम आए, जिनमें से 2 बार तो केवल राज्यसभा का नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए आए थे।

अरावली हिल्स वाले अपने ही आदेश पर SC ने लगाई रोक

- नई समिति का होगा गठन

नई दिल्ली. अरावली पर्वत श्रृंखला की परिभाषा तय करने वाले आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दिया है। इस मामले में अगली सुनवाई 21 जनवरी को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि 20 नवंबर को सुनाया गया फैसला अगली सुनवाई तक लागू नहीं होगा। कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच मामले की सुनवाई कर रही थी।

सीजेआई ने कहा कि अरावली पहाड़ियों के अध्ययन और सर्वे के लिए एक नई समिति बनाई जाएगी। सीजेआई ने कहा कि इसपर पुनः विचार किया जाना है कि क्या 100 मीटर से ऊंची पहाड़ियों को ही अरावली का हिस्सा मानने से अवैध खनन तो नहीं शुरू हो जाएगा। कोर्ट ने कहा कि उस इलाके की पहचान करने के लिए परिभाषा तय करनी है जो कि अरावली का हिस्सा नहीं हैं।

बता दें कि 20 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक जैसी परिभाषा को स्वीकार करते हुए मुहर लगा दी थी। कोर्ट ने दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात तक फैली इस पर्वत श्रृंखला में विशेषज्ञों की रिपोर् आने तक खनन पट्टों पर रोक लगा दी थी।

अरावली को लेकर सबसे बड़ा विवाद इसकी भौगोलिक सीमा और परिभाषा को लेकर है। पहाड़ियों की स्पष्ट परिभाषा न होने के कारण कई बार निर्माण कार्यों और खनन को लेकर नियमों का उल्लंघन होता है। इससे पहले, न्यायालय ने अरावली में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के खिलाफ निर्णय लिया था। न्यायालय का मानना था कि इस तरह का निषेध अवैध खनन गतिविधियों को जन्म दे सकता है।

क्या थी नई परिभाषा?

अदालत ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक

सिब्बल का केंद्र से सवाल- क्या 33 BLO की मौत सही!

- लिखा- बंगाल में एक और BLO ने सुसाइड किया

नई दिल्ली. कांग्रेस सांसद कपिल सिब्बल ने देश के अलग-अलग राज्यों में बूथ लेवल ऑफिसर्स (BLO) की मौत पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सोमवार को X पोस्ट में सवाल करते हुए लिखा- बंगाल में एक और BLO की आत्महत्या, पूरे देश में अब तक कुल 33 मौतें, एक कथित घुसपैठिया ठीक नहीं, लेकिन 33 BLO की मौत ठीक है?

सिब्बल का यह पोस्ट पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले में BLO के सुसाइड पर आया है। 28 दिसंबर को राजकाटा इलाके के स्कूल से BLO हराधन मंडल का शव बरामद हुआ। उनके पास बूथ नंबर 206 का प्रभार था। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट मिला। विपक्ष के मुताबिक पश्चिम बंगाल में अबतक 6 बीएलओ की SIR के दौरान मौत हो चुकी है। मध्य प्रदेश में 9, उत्तर प्रदेश में 4, गुजरात में 4, राजस्थान में 3, बिहार में 2, महाराष्ट्र में 2, तमिलनाडु, केरल और ओडिशा में 1-1 बीएलओ की मौत का दावा है।

अमृतसर में मांस बेचने पर प्रतिबंध

- अधिकारी बोले- सभी को चिकन बेचकर नहीं जीना

अमृतसर. पंजाब के ऐतिहासिक शहर अमृतसर को पवित्र शहर का दर्जा दिए जाने के बाद वहां मांसाहार की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। पंजाब सरकार के इस फैसले के बाद लोगों में मिली जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। इसी बीच रविवार को पंजाब पर्यटन विभाग के सलाहकार दीपक बाली ने सरकार के इस कदम का बचाव किया। उन्होंने कहा कि यह फैसला शहर की आध्यात्मिक विरासत और गुरु रामदास साहिब की शिक्षाओं के सम्मान में लिया गया है। एएनआई से बात करते हुए बाली ने कहा, "यह गुरु साहिब की धरती है। गुरु रामदास साहिब ने इस शहर की स्थापना की थी , इसलिए श्रद्धा के साथ यह कहा जाना चाहिए कि पंथ की सरकारें जो नहीं कर पाईं वह हमने कर दिया और लोग भी हमारे साथ हैं।"

शहर के आध्यात्मिक महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, ₹हमारे गुरु साहिब से बड़ा कुछ भी नहीं है। हम लोगों से अनुरोध करते हैं कि वह दूसरों के बहकावे में न आएं। हम सभी से इसे स्वीकार करने की अपील करते हैं।₹

मांसाहार पर लगे प्रतिबंध से रोजगार प्रभावित होने की आशंका पर प्रतिक्रिया देते हुए बाली ने कहा कि पूरी दुनिया मांसाहास बेचकर नहीं जीती है। उन्होंने कहा, ₹पूरी दुनिया को चिकन बेचकर ही नहीं जीना है। अगर इस काम को करने वाले लोग मेहनत करेंगे तो कहीं और काम मिल जाएगा। इसके अलावा अगर वह लोग यही काम करना चाहते हैं तो फिर अमृतसर के बाहर कर सकते हैं। अब यह फैसला औपचारिक रूप ले चुका है। अब इसे लागू किया जाएगा।

गौरतलब है कि बाली की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब पंजाब सरकार ने हाल ही में अमृतसर के पुराने शहर, रूप नगर जिले के श्री आनंदपुर साहिब और बठिंडा जिले के तलवंडी साबो (श्री दमदम साहिब) को राज्य का पवित्र शहर घोषित किया है।

नए साल पर बजरंग सेतु की सौगात

- 100 साल पुराने ऋषिकेश लक्ष्मण झूला पुल की लेगा जगह

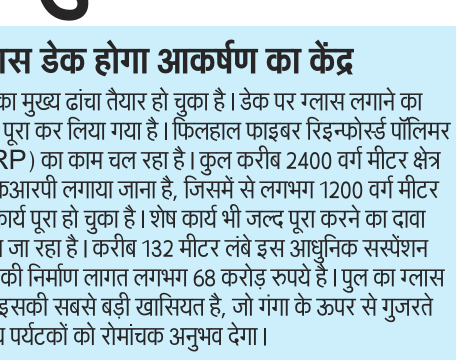

ऋषिकेश. उत्तराखंड में नए साल की शुरुआत के साथ ही ऋषिकेश के लोगों और देश-विदेश से आने वाले तीर्थयात्रियों व पर्यटकों को बड़ी सौगात मिलने जा रही है। यह सेतु 1929 में बना ऐतिहासिक लक्ष्मण झूला की जगह लेगा। गंगा नदी पर निर्माणाधीन अत्याधुनिक बजरंग सेतु को जल्द ही आम जनता के लिए खोलने की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच गई है।

लोक निर्माण विभाग के अनुसार, पुल का निर्माण कार्य 26 जनवरी तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि किसी तकनीकी कारण से यदि मामूली देरी होती है, तो भी जनवरी के अंत या फरवरी के पहले सप्ताह तक बजरंग सेतु को जनता के लिए खोल दिया जाएगा।

PWD अधिकारियों ने बताया कि गंगा पर बन रहा यह आधुनिक सस्पेंशन ब्रिज अब अपने अंतिम चरण में है। विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि तय समयसीमा के भीतर कार्य पूरा किया जाए, ताकि वर्ष 2026 की शुरुआत में यह पुल पूरी तरह जनता को समर्पित किया जा सके। इसके शुरू होने से तीर्थयात्रियों, पर्यटकों और स्थानीय लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी।

ग्लास डेक होगा आकर्षण का केंद्र

पुल का मुख्य ढांचा तैयार हो चुका है। डेक पर ग्लास लगाने का कार्य पूरा कर लिया गया है। फिलहाल फाइबर रिइन्फोर्स्ड पॉलिमर (FRP) का काम चल रहा है। कुल करीब 2400 वर्ग मीटर क्षेत्र में एफआरपी लगाया जाना है, जिसमें से लगभग 1200 वर्ग मीटर का कार्य पूरा हो चुका है। शेष कार्य भी जल्द पूरा करने का दावा किया जा रहा है। करीब 132 मीटर लंबे इस आधुनिक सस्पेंशन ब्रिज की निर्माण लागत लगभग 68 करोड़ रुपये है। पुल का ग्लास डेक इसकी सबसे बड़ी खासियत है, जो गंगा के ऊपर से गुजरते समय पर्यटकों को रोमांचक अनुभव देगा।

उन्नाव रेप केस : कुलदीप सेंगर को SC से बड़ा झटका

हाई कोर्ट के आदेश पर लग गई रोक

नई दिल्ली. सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों वाली बेंच ने उन्नाव रेप केस में दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कुलदीप सेंगर को नोटिस भी जारी किया है। उन्नाव रेप केस में पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की आजीवन कारावास की सजा को दिल्ली हाई कोर्ट ने निलंबित कर दिया था और उन्हें जमानत पर रिहा करने का आदेश दे दिया था। सीजेआई ने कहा कि हाई कोर्ट के जिस जज ने फैसला सुनाया है वह बहुत अच्छे जज हैं। हालांकि गलती किसी से भी हो सकती है। पॉक्सो के तहत अगर कॉन्स्टेबल लोक सेवक हो सकता है तो विधायक को अलग क्यों रखा गया, यह चिंता का विषय है।

बता दें कि सीबीआई ने हाई कोर्ट के फैसले को कानून के खिलाफ, गलत और समाज के लिए गंभीर खतरा बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका फाइल की। सीबीआई ने अपनी याचिका में कहा था कि दिल्ली हाई कोर्ट ने सेंगर की सजा को सस्पेंड करके पॉक्सो ऐक्ट के लक्ष्य को ही नजरअंदाज कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई से पहले पीड़िती का तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। हालांकि सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में पीड़िता भी मौजूद थी। एजेंसी का कहना है कि हाई कोर्ट यह समझ ही नहीं पाया कि सेंगर विधायक थे और वह जनता के विश्वास के पद पर थे। ऐसे में उनकी जिम्मेदारी आम नागरिक से कहीं ज्यादा बनती है।

कैलिफोर्निया में हादसा; तेलंगाना की दो लड़कियों की मौत

अमेरिका के कैलिफोर्निया से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। यहां तेलंगाना के महबूबाबाद जिले की दो युवतियों की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मृतकों की पहचान पुल्लाखंडु मेघना रानी (24) और कडियाला भावना (24) के रूप में हुई है। दोनों हाल ही में अपनी मास्टर डिग्री पूरी कर अमेरिका में नौकरी की तलाश कर रही थीं।

टी-20 मैच में 8 विकेट लेने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना

- भूटान के स्पिनर ने म्यांमार के खिलाफ किया कारनामा
- 4 ओवर में 7 रन दिए

भूटान के ऑफ स्पिनर सोनम येशे ने इतिहास रच दिया है। 22 साल के सोनम, टी-20 क्रिकेट के एक मैच में 8 विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए हैं। येशे ने अपने कोटे के चार ओवर में 7 रन देकर 8 विकेट लिए। इसमें एक मेडन ओवर भी शामिल था। उनकी इकोनॉमी सिर्फ 1.75 रही।

सोनम ने म्यांमार के खिलाफ 26 दिसंबर को गेलेफू में खेले गए तीसरे टी-20 इंटरनेशनल मैच में 8 विकेट झटके। भूटान क्रिकेट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा- 'यह यादगार स्पेल है। सोनम येशे का 4 ओवर में 8/7 का प्रदर्शन वर्ल्ड रिकॉर्ड बन गया है।'

2 गेंदबाज ले चुके हैं 7-7 विकेट

टी-20 क्रिकेट में पहली बार किसी गेंदबाज ने एक मैच में 8 विकेट लिए हैं। इससे पहले नीदरलैंड के कोलिन एकरमैन ने 2019 और अफगानिस्तान के तस्कीन अहमद ने 2025 में एक मैच में 7-7 विकेट लिए थे। वहीं, टी-20 इंटरनेशनल में भी दो गेंदबाज 7-7 विकेट ले चुके हैं। मलेशिया के सयाजरुल इद्रुस ने 2023 में चीन के खिलाफ 8 रन देकर 7 विकेट लिए थे।

बहरीन के अली दाऊद ने 2025 में भूटान के खिलाफ 19 रन देकर 7 विकेट लिए थे।

भूटान ने म्यांमार को 82 रन से हराया

सोनम येशे की शानदार गेंदबाजी की बदौलत भूटान ने म्यांमार को 128 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सिर्फ 45 रन पर ऑलआउट कर दिया। भूटान ने यह मैच 82 रन से जीत लिया। पांच मैचों की टी20 सीरीज में भूटान फिलहाल 4-0 से आगे

टाटानगर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस के दो डिब्बों में लगी आग, 1 की मौत

- आंध्र प्रदेश में हादसा

आंध्र प्रदेश में बड़ा रेल हादसा हो गया है, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई है। खबर है कि यालामंचिली के पास टाटानगर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस के दो डिब्बों में आग लग जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए दो फोरेंसिक टीम जांच कर रही हैं।

अधिकारी ने बताया कि उन्हें आग लगने की सूचना रात 12 बजकर 45 मिनट पर मिली। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि प्रभावित डिब्बों में से एक में 82 और दूसरे में 76 यात्री सवार थे। उन्होंने कहा, 'दुर्भाग्य से, बी-1 कोच में एक व्यक्ति मृत मिला।' मृतक की पहचान चंद्रशेखर सुंदरम के रूप में की गई है। अधिकारी ने बताया कि क्षतिग्रस्त दोनों डिब्बों को ट्रेन से अलग कर दिया गया, जिसके बाद ट्रेन एर्नाकुलम की ओर रवाना हो गई। प्रभावित डिब्बों के यात्रियों को उनके गंतव्यों तक भेजने की व्यवस्था की जाएगी। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया है कि आग पर सबसे पहले येलमनचिली में लोको पायलट्स की नजर गई। इसके बाद ट्रेन के तत्काल रोका गया। हालांकि, अग्निशमन सेवाओं के पहुंचने से पहले ही आग की लपटे बोगियों में तेजी से फैल चुकी थीं.

सम्मन बनाम मुद्दायलाह बिनावर कायमी तनकीहात

(आर्डर रूल 1 च 5 जाब्ता दीवानी)

अज अदालत श्रीमान उपखण्ड अधिकारी महोदयजी, मुकाम बाली, जिला पाली (राज.)
ब-इजलास श्रीमान दिनेश जी विश्नोई साहब, आर.ए.एस.

वादीगण :- स्व. वरदीशंकर के कायम मुकाम किरण कुमार व अन्य
बनाम
प्रतिवादीगण :- अजय व अन्य

दावा बाबत् अन्तर्गत घारा 88, 188, 209 आर.टी. एक्ट

मुकदमा नम्बर राजस्व वाद संख्या 58/2021

मुसम्मी :- 1.अजय पुत्र रामकिशोर जी अग्रवाल निवासी मुलुण्ड, मुम्बई (महाराष्ट्र)
2. अतुल पुत्र भुपतराम जी, अजमेरा जाति अजमेरा निवासी मुम्बई (महाराष्ट्र)
3. गुलाब पुत्र शांताराम जी. हापड जाति-हिन्दु मराठा निवासी गोरखण्ड तालुका खालापुर, जिला-रायगढ, (महाराष्ट्र)
4. मधुकांत पुत्र मोहनलाल जी जाति अग्रवाल, निवासी मुम्बई (महाराष्ट्र)
5. महेन्द्र कुमार पुत्र चम्पालालजी जैन, निवासी शावी 11/100 एलबीएस मार्ग नारायणनगर वेस्ट घाटकोपर, मुम्बई (महाराष्ट्र)
6. मिलीन पुत्र गंगाधर पाठक जाति ब्राहण निवासी प्लोट 13, गायत्री नगर, महाजनशाला के पीछे देव पुर धुले, जयहिन्द कॉलोनी धुले (महाराष्ट्र)
7. मोहम्मद वारिस पुत्र ईमामुल्लाह तेली जाति मुसलमान निवासी-306/307 भारत नगर एन.एस.एस.रोड, नेवल डिपो के सामने घाटकोपर वेस्ट, मुम्बई (महाराष्ट्र)
8. मोसीन अली पुत्र ताजमोहम्मदजी जाति मुस्लिम, निवासी-ननवारनगर, कोसा, जिला-थाणे (महाराष्ट्र)
9. रजनी पत्नि देवचन्द काश्तकार जाति कोली, निवासी काश्तकर हाउस माण्डवी गली वर्सोवा, अन्धेरी वेस्ट, मुम्बई (महाराष्ट्र)
10. राजु पुत्र अजीत चव्हाण, जाति-मराठा, निवासी हाउस नम्बर 250, काश्तकरी नगर दाण्ड पेनरोड, रसायनि रेल्वे स्टेशन केम्पस् गुलसुर्दे रसायनी वेस्ट गुलसुद जिला रायगढ, (महाराष्ट्र)

हरगाह कि वादीगण ने आपके खिलाफ एक दावा अन्तर्गत धारा 88,188, 209 आर. टी. एक्ट का दायर किया है, लिहाजा आपको ब-जरिये इस तहर के दावे की जबावदेही के लिए तारीख 13 माह 01 सन 2026 को दिन 10 बजे अदालत हाजा में असालतन मार्फत ऐसे वकील के जो हालत मुकदमे से वाकिफ किया गया हो व कुल अमर मुताबिक जबाव दे सके या कोई ऐसा सख्स हो जो सवाल काजबाव दे सके, हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है और आपको हिदायत दी जाती है कि जुमले दस्तावेज जिन पर आप अपने जबावदेही का ताईन में इस्तेमाल करना चाहता हो उस दिन पेश करो।

आगाह रहे कि अगर वकील मजकूर आप हाजिर न हुए तो दावा आपको गैर हाजरी में सुना व फैसला किया जायेगा।

बसिब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 18 माह 11 सन् 2025 को जारी किया गया।

आज्ञा से

मोहर

दस्तखत वकील या फरीक

रीडर
अदालत. न्यायालय उपखंड अधिकार
पाली, जिला पाली (राज.)

आम सूचना

मैं श्री हसनैन अंसारी सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम नं. 17, चाल नं. 3, आकाश कालोनी, बैरक नं. 2077 के सामने, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 55डीओ011802900) उक्त प्रॉपर्टी श्री नबी हसन मोहम्मद मुख्तार शेख के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 8.12.2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री हसनैन अंसारी

आम सूचना

हम श्री रिंकूकुमार मलिकराम दुबे व श्रीमती अनिता रिंकुकुमार दुबे सभी को सूचित कर रहे हैं कि फ्लैट नं. 302, तीसरा माला, साई दीप पैलेस, कैलाश कालोनी, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 57डीआय013196100) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती पुष्पा मलिकराम दुबे ने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 20.12.2025 द्वारा हमें दी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
**श्री रिंकूकुमार मलिकराम दुबे
व श्रीमती अनिता रिंकुकुमार दुबे**

आम सूचना

मैं श्रीमती योगिनी शशिकांत तिरोडकर सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, शिव शक्ति कालोनी, ओटी सेक्शन, रेलवे स्टेशन के पास, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 43सीओ012483600) उक्त प्रॉपर्टी श्री शशिकांत वसंत तिरोडकर ने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 25.12.2025 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती योगिनी शशिकांत तिरोडकर

आम सूचना

मैं श्री उतम जगनमल पोपटानी सभी को सूचित कर रहा हूं कि बैरक नं. 1485, रुम नं. 9, न.भू.क्र. 17910, क्षेत्र 37.9 चौ.मीटर., सेक्शन 30, उल्हासनगर-4. सिटी सर्वे कार्यालय के रिकॉर्ड प्रॉपर्टी कार्ड में चंद्रा नेनुमल भाटीया नाम लिखा हुआ है और उप विभागीय अधिकारी, उल्हासनगर-3 के कार्यालय के रिकार्ड में चंद्राबाई नेनुमल भाटीया लिखा हुआ है। मैं यह सूचित कर रहा हूं कि यह दोनों एक ही व्यक्ति हैं।

सही/-
श्री उतम जगनमल पोपटानी

संक्षेप...

महिला बचत गट ने मतदान के लिए किया जागरूक

ठाणे. मनपा के आम चुनाव 2025-26 के बैकग्राउंड में चुनाव निर्णय अधिकारी उर्मिला पाटिल के गाइडेंस में, आज बचत गट महिला टीम के ज़रिए उथलसर प्रभाग समिति वार्ड नंबर 10, 11 और 12 के तहत सिद्धेश्वर लेक एरिया में बड़े जोश के साथ वोटिंग अवेयरनेस प्रोग्राम किया।किसी भी डेमोक्रेटिक समाज में वोट देने का अधिकार एक फंडामेंटल अधिकार है। यह हमारी डेमोक्रेसी का सच्चा पिलर है। वोट देना सिर्फ एक अधिकार ही नहीं बल्कि हमारी ज़िम्मेदारी और ड्यूटी भी है।

मनपा चुनाव में अजित-शरद पवार का गठबंधन

- अजित पवार बोले- परिवार फिर एकजुट
- ढाई साल पहले NCP तोड़कर NDA सरकार में शामिल हुए थे

मुंबई. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने रविवार को पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम चुनाव के लिए अपनी नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (NCP) और NCP (शरदचंद्र पवार) गुट के बीच गठबंधन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि नगर निगम चुनाव के लिए 'घड़ी' और 'तुतारी' एकसाथ आ गए हैं।

अजित पवार पिंपरी-चिंचवाड़ में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा- नगर निगम चुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची तय करते समय दोनों गुटों ने साथ मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इससे एक बार फिर परिवार एकजुट हो गया है।

अजित पवार ने कहा- गठबंधन को लेकर लोगों के मन में सवाल हो सकते हैं, लेकिन महाराष्ट्र के विकास के हित के लिए कई बार ऐसे फैसले लेने पड़ते हैं। अजित पवार ने कहा- दोनों पक्षों के बीच सीट बंटवारे पर चर्चा हो चुकी है और इसकी जानकारी बाद में दी जाएगी।

जुलाई 2023 में शरद पवार के भतीजे अजित पवार NCP के कई विधायकों के साथ पार्टी से अलग हो गए थे। इससे NCP दो हिस्सों में बंट गई। शरद पवार से अलग होकर अजित महाराष्ट्र की भाजपा-शिंदे सरकार में शामिल हुए और डिप्टी CM बने थे।

पवार ने कार्यकर्ताओं से बयानबाजी से बचने की अपील की

अजित पवार ने पार्टी कार्यकर्ताओं से प्रचार में पूरी मेहनत करने और रैलियों के दौरान किसी भी तरह के विवादित बयान देने से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि उनकी NCP विकास के लिए काम करती है और पार्टी उन लोगों को बाहर करेगी, जिन्होंने नगर निगम को कर्ज में डालने की कोशिश की।

शरद और अजित के NCP गुट पुणे नगर निगम चुनाव में भी साथ लड़ेंगे। NCP (शरदचंद्र पवार) के प्रवक्ता अंकुश काकड़े ने गठबंधन की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि सीट बंटवारे पर अभी चर्चा नहीं हुई है और कांग्रेस-शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के साथ बातचीत के बाद चारों दल मिलकर फैसला करेंगे।

ट्रेलर की टक्कर में टू-व्हीलर सवार की मौके पर ही मौत

अंबरनाथ. शनिवार दोपहर अंबरनाथ ईस्ट के वैभव होटल इलाके में एक तेज़ रफ़्तार ट्रेलर ने एक टू-व्हीलर को पीछे से टक्कर मार दी। इस भयानक हादसे में टू-व्हीलर पर पीछे बैठे युवक की मौके पर ही मौत हो गई, क्योंकि ट्रेलर का पहिया उसके सिर के ऊपर से निकल गया। शिवाजीनगर पुलिस ने इस संबंध में ट्रेलर ड्राइवर को गिरफ्तार कर केस दर्ज कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, बदलापुर ईस्ट के शिरगांव इलाके के रहने वाले हर्ष शरद शिटे (22) अपने दोस्त आदित्य विनोद गोखले के साथ जुपिटर स्कूटी पर डोंबिवली की ओर जा रहे थे। दोपहर करीब 3:45 बजे जब उनकी टू-व्हीलर अंबरनाथ में वैभव होटल के पास पहुंची, तो पीछे से आ रहे एक तेज़ रफ़्तार टाटा ट्रेलर ने उनकी गाड़ी को ज़ोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिर गए। बदकिस्मती से, आदित्य गोखले की ट्रेलर के पहियों के नीचे आने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हर्ष शिटे इस हादसे में बाल-बाल बच गए। इस घटना के बाद इलाके में देखने वालों की भारी भीड़ जमा हो गई।

थर्टी-फर्स्ट और नया साल सुरक्षित तरीके से मनाएं

- ठाणे पुलिस की शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर कड़ी नज़र

ठाणे. मनपा चुनाव और नए साल के बैकग्राउंड में ठाणे पुलिस तैयार है और पुलिस शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों और ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर कड़ी नज़र रखेगी। इसके लिए ठाणे पुलिस आयुक्तालय में 54 जगहों पर नाकाबंदी की गई है और ट्रैफिक पुलिस के 739 कर्मचारियों को तैनात किया गया है. उक्त जानकारी उपायुक्त पंकज शिरसाठ ने दी है.

ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे,अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण ने ट्रैफिक ब्रांच में 59 ऑफिसर और 680 कर्मचारियों समेत कुल 739 मैनपावर को निर्देश दिया है। पुलिस आयुक्तालय में कुल 54 जगहों पर ट्रैफिक पुलिस के नाके हैं, जिनमें से येउर, उपवन, दुर्गाडी, कटाई नाका, मुंब्रा, राजनोली नाका को हॉटस्पॉट के तौर पर मार्क किया गया है। शराब पीकर गाड़ी चलाने, सड़क पर शोर मचाने या पब्लिक प्लेस पर गलत व्यवहार करने वालों पर सख्त एक्शन लिया जाएगा। इस बीच इस साल 2025 तक लोक अदालत (कोर्ट) में 1 लाख 42 हजार 607 ई-चालान एक्शन लिए गए हैं और गाड़ी चलाने वालों ने कोर्ट में कुल 14 करोड़ 34 लाख 43 हजार 200 जुर्माना भरा है।

> ठाणे ट्रैफिक विभाग पूरी कोशिश कर रहा है कि थर्टी-फर्स्ट और न्यू ईयर सेलिब्रेशन आसानी से हो सकें। इसलिए, ट्रैफिक नियमों का पालन करना बहुत ज़रूरी है, क्योंकि शराब पीकर गाड़ी चलाने, स्टंट करने या तेज़ गाड़ी चलाने से एक्सीडेंट हो सकते हैं और आपकी और दूसरों की जान को खतरा हो सकता है; इसलिए, शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए ठाणे ट्रैफिक पुलिस का सहयोग करें।
>
> **-पंकज शिरसाठ**, उपायुक्त ठाणे शहर ट्रैफिक विभाग

थर्टी-फर्स्ट और नए साल का जश्न मनाते समय किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए पुलिस ने कड़े इंतज़ाम किए हैं। फिलहाल, शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की संख्या में कमी आई है। इस साल नवंबर में जहां ड्रंक एंड ड्राइव के 945 मामले सामने आए थे, वहीं दिसंबर में सिर्फ 646 मामले सामने आए। इसमें पुलिस 51 ब्रेथ एनालाइजर मशीनों से ड्राइवरों की जांच कर रही है। शराब पीकर गाड़ी चलाने और ट्रैफिक जाम करने वालों के खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई की जाएगी और इस बारे में लगातार लोगों को जागरूक किया जा रहा है। 31 तारीख और 2026 के स्वागत के मौके पर बार, होटल, ढाबे, पब, फार्महाउस, दर्शनीय स्थलों, मनोरंजन पार्क वगैरह के संचालकों को शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ खास सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

भिवंडी की अन्वी शुक्ला का लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ नाम

भिवंडी. 30 मिनट में सर्वाधिक राउंडहाउस किक्स मारने की अद्भुत उपलब्धि हासिल करने वाली भिवंडी की अन्वी अनूपकुमार शुक्ला का लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज किया गया है। इस उपलब्धि के बाद खेल जगत और शहरभर में उनका अभिनंदन किया जा रहा है। विज़न मार्शल आर्ट्स एकेडमी की ओर से 23 नवंबर 2025 को हैदराबाद के आर.आर. जिले स्थित सरूरनगर इंडोर स्टेडियम में '30 मिनट में सर्वाधिक राउंडहाउस किक्स' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में देश के 10 राज्यों से कुल 927 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिन्होंने

मिलकर 8 लाख 55 हजार 460 किक्स का लक्ष्य हासिल किया। प्रतियोगिता में 8 वर्ष से लेकर 70 वर्ष तक की आयु के प्रतिभागी शामिल थे। इसमें येलो बेल्ट से लेकर सातवीं डैन ब्लैक बेल्ट तक के अनुभवी मार्शल आर्टिस्टों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इसी प्रतियोगिता में भिवंडी ब्रेव यूथ मार्शल आर्ट्स एसोसिएशन शुक्ला ने 30 मिनट में सर्वाधिक राउंडहाउस किक्स मारकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया। इस उपलब्धि के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की संपादक वत्सला कौल बनर्जी के हस्ताक्षर युक्त होलोग्राम प्रमाणित सर्टिफिकेट जारी किया गया है। अन्वी शुक्ला की इस सफलता को उनके अथक परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम बताया जा रहा है।

भिवंडी में रही प्रत्याशियों के नामांकन की धूम

- गाजेबाजे के साथ रैली निकालकर भरा गया नामांकन.
- 254 प्रत्याशियों ने दाखिल किया नामांकन

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी मनपा चुनाव के लिए भिवंडी में सोमवार को 7 चुनाव कार्यालयों में चुनाव निर्णय अधिकारियों के समक्ष कुल 254 नामांकन दाखिल किए गए. प्रत्याशियों ने गाजेबाजे के साथ रैली निकालकर भारी तादाद में पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों के साथ शक्ति प्रदर्शन करते हुए नामांकन दाखिल किया.

गौरतलब हो कि, भिवंडी में सोमवार का दिन प्रत्याशियों के नामांकन का दिन रहा. भाजपा विधायक महेश चौगुले, जिलाध्यक्ष रवि सावंत के साथ प्रभाग क्रमांक 1से भाजपा प्रत्याशी भाजपा विधायक सुपुत्र मीत महेश चौगुले, पद्मा कृष्णा गाजेंगी, रितेश टावरे, स्नेहा बाफना ने नामांकन दाखिल किया.भाजपा प्रत्याशियों का क्षेत्रीय लोगों, भाजपा समर्थकों ने फूल बरसाकर स्वागत करते हुए जीत का आशीर्वाद दिया.नामांकन दाखिल करने वाले प्रमुख प्रत्याशियों में पूर्व पार्षद निलेश चौधरी, हनुमान चौधरी, वैभव भोईर, सुमित पाटिल, श्याम अग्रवाल, एड मयूरेश विलास पाटिल, राजू गाजेंगी, कु. स्नेहा मनोज सिंह, मनोज काटेकर सहित कांग्रेस पूर्व महापौर जावेद दलवी, पूर्व पार्षद रिसिका प्रदीप राका, निलेश आलसी, एड वैभव भोईर, रितेश टावरे, आदि ने गाजेबाजे के साथ समर्थकों की भारी भीड़ के साथ शक्ति प्रदर्शन करते हुए संबंधित प्रभागों के चुनाव निर्णय अधिकारी के समक्ष नामांकन दाखिल किया गया.

9 प्रत्याशियों को कल्याण पूर्व में भाजपा द्वारा एबी फार्म का वितरण

- 9 में से 8 महिलाओं को मिली उम्मीदवारी

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका आम चुनाव के लिए कल्याण पूर्व में 9 उम्मीदवारों को ए-बी फॉर्म का वितरण कर बढ़त लेते हुए देखा जा रहा है। कल्याण पूर्व में भाजपा को मिली सीटों के बाद पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए बड़े हंगामे को देखते हुए, इस ए-बी फॉर्म वितरण को विशेष महत्व प्राप्त हुआ है। कल्याण पूर्व की भाजपा विधायक सुलभा गायकवाड, कल्याण जिला चुनाव प्रमुख नाना सूर्यवंशी, भाजयुमो जिला अध्यक्ष वैभव गणपत गायकवाड, 142 कल्याण पूर्व विधानसभा चुनाव प्रमुख संजय मोरे, पूर्व नगरसेवक अभिमन्यु गायकवाड, मनोज राय, उद्योगपति संजय गायकवाड, मंडल अध्यक्ष संतोष शेलार, नितेश म्हात्रे, विजय उपाध्याय, विजय जोशी, यशोदा माली आदि पदाधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस दौरान मनीषा अभिमन्यु गायकवाड, हेमलता कैलाश पावशे, सरोज मनोज राय, डॉ. पूजा संजय गायकवाड, स्नेहल संजय मोरे, इंदिरा तरे, रेखा राजन चौधरी, प्रणाली विजय जोशी इन महिला उम्मीदवारों के साथ पूर्व उपमहापौर विक्रम तरे एकमात्र पुरुष उम्मीदवार के रूप में शामिल हैं।

पार्टी द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार के रूप में इन 9 लोगों को ए-बी फॉर्म का वितरण किया गया है, ऐसा विधायक सुलभा गायकवाड ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में उल्लेख किया है। साथ ही उन्होंने यह विश्वास भी व्यक्त किया है कि लोकाभिमुख विकास, पारदर्शी प्रशासन और सशक्त नेतृत्व के बल पर ये सभी उम्मीदवार निश्चित रूप से जनता का विश्वास जीतेंगे।

नवी मुंबई में 13,336 डुप्लीकेट वोटर

नवी मुंबई. राज्य चुनाव आयोग की घोषणा के अनुसार नवी मुंबई महानगरपालिका चुनाव के लिए 1 जुलाई 2025 की वोटर लिस्ट को स्वीकार कर लिया गया है. इसमें आयोग द्वारा दी गई 45588 संभावित डुप्लीकेट वोटरों की लिस्ट की बीएलओ द्वारा जांच की गई, इसमें 13336 डुप्लीकेट वोटर पाए गए हैं. उनसे एक अल्टरनेटिव अंडरटेकिंग लेटर भरवाया गया है जिसमें बताया गया है कि वे किस वार्ड की वोटर लिस्ट में शामिल नाम पर वोट देंगे. मनपा क्षेत्र में राज्य चुनाव आयोग द्वारा प्राप्त डुप्लीकेट वोटरों की सूची की जांच के लिए वार्डवार बीएलओ की टीमें बनाई गई थी.

डुप्लीकेट वोटरों को खोजने के लिए मनपा आयुक्त एवं चुनाव अधिकारी डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में कंप्यूटर सिस्टम के माध्यम से डुप्लीकेट वोटरों के नाम और विधानसभा सूची सेक्शन के अनुसार वोटर लिस्ट को बांटा गया और फोटो वाले डुप्लीकेट वोटरों की सूची वेरिफिकेशन के लिए बीएलओ को दी गई थी. बीएलओ के माध्यम से वोटर लिस्ट में इन संभावित डुप्लीकेट नामों को खोजकर फोटो वेरिफिकेशन किया गया और ये नाम किस वार्ड में हैं, फोटो में समानता है या नहीं, माता-पिता के नाम में समानता है या नहीं, पता समान है या नहीं जैसी विभिन्न जांच की गई.

आम सूचना

मैं श्री महेशलाल रामचंद पंजाबी सभी को सूचित कर रहा हूं कि फ्लैट नं. 401, 4था माला, रुकमणी निवास, ब्लाक नं. ए-948, रुम नं. 1896, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 58डीआय019525000) उक्त प्रॉपर्टी श्री मनोहरदास छतीजा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 25.12.2025 सी.नं. 269 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री महेशलाल रामचंद पंजाबी

थलपति विजय ने एक्टिंग से लिया संन्यास

- आखिरी फिल्म जन नायकन के ऑडियो लॉन्च पर किया ऐलान

एक्टर थलपति विजय ने अपने एक्टिंग करियर से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने 33 साल के लंबे फिल्मी करियर के बाद फिल्मों को अलविदा कहने का फैसला किया है।

विजय ने अपने करियर की शुरुआत 10 साल की उम्र में तमिल फिल्म वेट्री से बाल कलाकार के तौर पर की थी। 18 साल की उम्र में उन्होंने फिल्म नालैया थीरपू (1992) से बतौर हीरो डेब्यू किया।

विजय ने यह घोषणा शनिवार को मलेशिया में डायरेक्टर एच. विनोद की फिल्म जन नायकन के ऑडियो लॉन्च के दौरान की। वह इस समय 51 साल के हैं और जन नायकन उनकी आखिरी फिल्म होगी। मंच से उन्होंने कहा कि अब वह पूरी तरह राजनीति पर ध्यान देंगे।

उन्होंने बताया कि पिछले साल उन्होंने अपनी राजनीतिक पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम बनाई थी और अब उनकी पार्टी 2026 में होने वाला तमिलनाडु विधानसभा चुनाव भी लड़ेगी।

फैंस को संबोधित करते हुए विजय ने कहा, 'मेरे लिए एक ही बात मायने रखती है। लोग मेरे लिए थिएटर आते हैं और लाइन में खड़े होते हैं। इसलिए मैं अगले 30–33 साल उनके लिए खड़ा रहना चाहता हूं। अपने इन्हीं फैंस के लिए मैं सिनेमा से संन्यास ले रहा हूं।'

उन्होंने आगे कहा कि करियर के पहले दिन से उन्हें हर तरह की आलोचना झेलनी पड़ी। इसके बावजूद उनके फैंस हमेशा उनके साथ खड़े रहे। विजय ने कहा कि 33 साल तक मिले इस प्यार और समर्थन को वह कभी नहीं भूलेंगे।

SST कॉलेज के NSS 7 दिवसीय आवासीय शिविर का सफल समापन

बदलापुर. एस.एस.टी. कॉलेज, उल्हासनगर की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई द्वारा बदलापुर–राहटोली स्थित आरोग्य योग एवं नेचुरोपैथी सेंटर में आयोजित सात दिवसीय आवासीय शिविर का सफल समापन संपन्न हुआ। समापन समारोह के लिए सेबी स्मार्ट ट्रेनर सीए दीपक वेकारिया प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस शिविर में लगभग डेढ़ सौ स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के दौरान स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य शिविर तथा विभिन्न सामाजिक जनजागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इसके साथ ही योग, ध्यान, व्यक्तित्व विकास, सामाजिक उत्तरदायित्व, वित्तीय साक्षरता, प्रतियोगी परीक्षाओं का मार्गदर्शन तथा अंधश्रद्धा उन्मूलन जैसे विषयों पर विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित किए गए। "Not Me But You" के आदर्श वाक्य के अनुसार सेवा-भावना, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक चेतना को विकसित करने पर विशेष बल दिया गया।

समापन अवसर पर ठाणे जिला एनएसएस समन्वयक एवं उपप्राचार्य प्रा. जीवन विचारे, उपप्राचार्य डॉ. दीपक गवादे, कार्यक्रम अधिकारी प्रा. मयूर माथूर के साथ-साथ प्रा. संकेत कुलकर्णी, प्रा. मारुति पांढरे, प्रा. अमृता अचतांनी तथा सोनिया राणा उपस्थित थे।

इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवकों का सम्मान किया गया। संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी एवं आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. खुशबू पुरस्वानी के मार्गदर्शन में यह शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

आयोजकों ने बताया कि इस उपक्रम से विद्यार्थियों में समाजसेवा की भावना सुदृढ़ हुई तथा उनके सर्वांगीण विकास को बढ़ावा मिला।

यह शिविर कार्यक्रम अधिकारी प्रा. नम्रता सिंह, प्रा. सुरभि मिश्रा, सदान जावरे तथा स्वयंसेवक अंकुश सोनावणे, नरेंद्र रोकडे, प्रतीक सालुंके, अवंतिका सहारे और दृष्टि शिकरे के अथक प्रयासों से सफल हुआ।

आम सूचना

इस आम सूचना द्वारा मैं श्री अजय जीतनू गुप्ता सभी को सूचित कर रहा हूं कि चाल रुम, पोर्शन (क्षेत्रफल 160 स्क.फुट), आजाद नगर, धोबीघाट, उल्हासनगर- 421002. (टैक्स नं. 25बीओ021161000) इस प्रॉपर्टी के बिक्री का सौदा मैंने श्री जीतू रमेशलाल जग्यासी के साथ किया है।

अगर उपरोक्त प्रॉपर्टी के बारे में किसी हिस्से के लिए किसी भी व्यक्ति को मोरोसी हक, वास्ता जैसे कि बिक्री नामा, गिरवी नामा, बक्षीस नामा, वसीयत नामा व कब्जा इत्यादि अथवा किसी भी कोर्ट केस या संस्था/बैंक को देना ऐसी किसी किस्म की आपत्ति (ऐतराज) हो तो वह लेखी में पूरे सबूतों के साथ इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पत्ते पर अपनी आपत्ति सबूतों के साथ समय पर भेजे। अन्यथा दूसरी हालत में आम सूचना के समय पूरे होने के बाद उपरोक्त प्रॉपर्टी का सौदा कर पूरा कर दिया जाएगा उसके बाद कोई भी आपत्ति या दावा सुना नहीं जाएगा।

सही/-
श्री अजय जीतनू गुप्ता
आजाद नगर, धोबीघाट, उल्हासनगर-421002.
मो. 9390094667

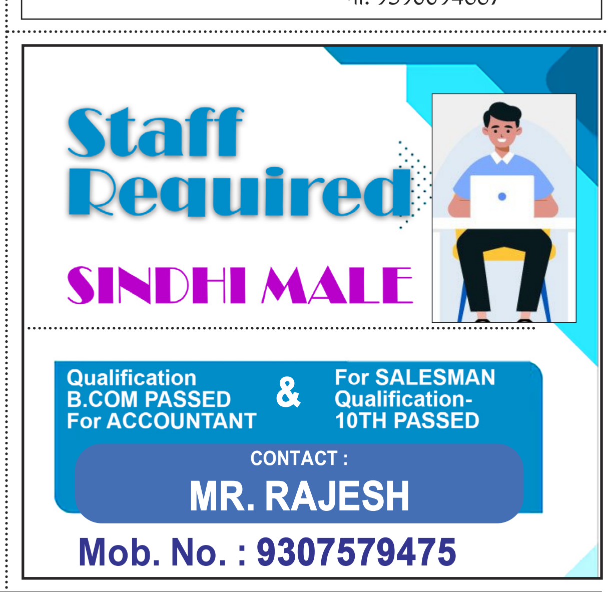

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099